बी.ए. पाठ्यक्रम

(वर्ष 2022-23)

(NEP- 2020)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Proposed Course Structure of the Academic Programme with Multiple Entry-Multiple Exit Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020

Semester	Entry Point	Level	Type of Award	Minimum Mandatory Credits*	Exit Point
Under Graduate Programme					
I	Entry	L5	Undergraduate Certificate in the field of study/discipline	20	
II				**40**	Exit
III	Entry	L6	Undergraduate Diploma in the field of study/discipline	60	
IV				**80**	Exit
V	Entry	L7	Bachelor of (field of Discipline/ Multidisciplinary course Study)	100	
VI				**120**	Exit
VII	Entry	L8	Bachelor Degree (in the field of Discipline Major or Multidisciplinary course Study)	140	
VIII			Bachelor (Research Degree)	**160**	Exit
Post Graduate Programme					
IX	Entry	L8	Post Graduate Diploma	**160**	
X		L9	Master Degree	**200**	Exit

***Each Semester from L5 to L9 (Total 10 Semesters) carries Minimum 20 Credits. Cumulative Credits are indicated in the table.**

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

हिन्दी विभाग (कोड -)

भाषा अध्ययनशाला

पाठ्य विवरण

स्नातक (बी.ए.) हिन्दी साहित्य, I एवं II सेमेस्टर

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L 5 Entry	I	Discipline Specific Major	HIN-DSM-111	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	6
		Multi-Disciplinary Major	HIN -MDM-111	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN -AEC-111	विज्ञापन और हिन्दी भाषा	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN -SEC-111	रचनात्मक लेखन	2
L 5 Sem.- I	SUB-VEC-111	Qualifying (अर्हता प्रदायी)	-	-	-
Level	**Sem**	**Nature of the Course**	**Course Code**	**Course Title**	**Credits**
L 5	II	Discipline Specific Major	HIN -DSM-211	हिन्दी कविता : मध्यकाल और आधुनिक काल	6
		Multi-Disciplinary Major	HIN -MDM-211	पत्रकारिता लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN -AEC-211	विज्ञापन और हिन्दी भाषा	2
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN -SEC-211	रचनात्मक लेखन	2
L 5 Sem.- II	SUB-VEC-111	Qualifying (अर्हता प्रदायी)	-	-	-
			EXIT With Certificate		

बी.ए. सेमेस्टर - I

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

Level - L 5 Entry

बी.ए. सेमेस्टर - I

Discipline Specific Major

HIN-DSM-121 : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem I	HIN-DSM-111	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी
Total Lectures/Hrs : 90								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचित कराना है.
- हिन्दी साहित्य के इतिहास के चारो कालखंडों- आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थियों में इतिहास बोध और आलोचनात्मक विवेक का निर्माण करना है.

Course Learning Outcomes:

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विकास को समझ सकेंगे तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन एवं प्रारम्भिक काल से परिचित हो सकेंगे.
CO2	:	भक्ति आन्दोलन के अखिल भारतीय स्वरूप को जान सकेंगे तथा भक्तिकाल की प्रवृत्ति और उसके प्रमुख कविओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे.
CO3	:	मध्यकाल की रीतिकालीन प्रवृत्ति और उसके प्रमुख कविओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे.
CO4	:	साहित्य के मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध को समझ सकेंगे तथा आधुनिक कविता की प्रवृत्ति एवं आधुनिक गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे.
CO5	:	आधुनिक काल के विभिन्न वाद और युग की प्रवृत्ति एवं उसके प्रमुख कविओं और लेखकों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे.

Course Content :

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

उद्देश्य : हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का अध्ययन कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का निर्माण करना है, जिससे विद्यार्थी हमारी भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक इत्यादि परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई-1 : आदिकाल

हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय।
हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : काल विभाजन एवं नामकरण।
आदिकाल : आदिकाल की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ। (18 व्याख्यान)

इकाई-2 : भक्तिकाल

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।
भक्तिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। (18 व्याख्यान)

इकाई-3 : रीतिकाल

रीतिकाल : नामकरण की समस्या।
रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। (18 व्याख्यान)

इकाई-4 : आधुनिक काल

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध : संक्रमण की परिस्थितियाँ।
आधुनिक हिंदी कविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
आधुनिक हिन्दी गद्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप।
(18 व्याख्यान)

इकाई-5 : प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।
नई कहानी आन्दोलन, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास। (18 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा- धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी- आचार्य नदंदुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा।
- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट प्रकाशन, नई दिल्ली।

Level - L5 Entry

बी.ए. सेमेस्टर - I

Multi-Disciplinary Major

HIN-MDM-111: हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem I	HIN-MDM-111	हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. राजेंद्र यादव
Total Lectures/Hrs : 90								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों की जानकारी देना तथा हिन्दी भाषा के जनसंचार माध्यमों में उपयोग से उन्हें परिचित कराना है ।इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा और उसके आधुनिक जनसंचार माध्यमों में लेखन के साथ उनके प्रभाव क्षेत्र का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा । भारत में आधुनिक जनसंचार माध्यमों का विकास और उनकी उपयोगिता तथा महत्त्व का अध्ययन विश्लेषण समीचीन होगा।
- समाज में जनसंचार माध्यमों की सामाजिक , सांस्कृतिक एवं राजनैतिक भूमिका का अध्ययन किया जायेगा . यहाँ इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के विभिन्न उपादानो के साथ परंपरागत जनसंचार माध्यमों को भी अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया गया है।
- **Course Learning Outcomes:**
  - इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	विद्यार्थी जनसंचार का अभिप्राय और स्वरूप समझ सकेंगे. इस इकाई के अंतर्गत जनसंचार का तात्पर्य , स्वरूप और विस्तार के साथ विभिन्न जनसंचार माध्यमों का प्रारम्भिक परिचय तथा इन आधुनिक जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन और इनके प्रभाव क्षेत्र का अध्ययन से परिचित हो सकेंगे।
CO2	:	जनसंचार माध्यमों के विकास . उपयोग एवं महत्त्व को जान सकेंगे ,इस इकाई में जनसंचार माध्यमों के विकास के साथ उनकी उपयोगिता और महत्त्व का अध्ययन किया जायगा। जनसंचार माध्यमों का वर्ग-चरित्र और सम्प्रेषण के साथ इन आधुनिक जनसंचार माध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक भूमिका को समझ सकेंगे।
CO3	:	जनसंचार माध्यमों में लेखन की प्रक्रिया को समाचार लेखन, फीचर-लेखन, स्तम्भ लेखन, रेडियो टी.वी. लेखन, विज्ञापन लेखन इत्यादि के माध्यम से समझ सकेंगे।
CO4	:	जनसंचार के वैकल्पिक माध्यमों जैसे कि पोस्टर, कोलाज़, कार्टून, होर्डिंग, संगीत, नुक्कड़ नाटक, गीत नाटिका इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।
CO5	:	इस इकाई में जनसंचार के अत्याधुनिक माध्यामों जैसे सोशल साइट्स आर्कुट , ट्विटर, फेसबुक, ब्लॉग आदि के समसामयिक उपयोग और महत्त्व का अध्ययन किया जायेगा साथ ही कंप्यूटर औए इन्टरनेट की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।

Course Content :

हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यमों के अभिप्राय , स्वरूप और उसकी अवधारणा की समझ विकसित होगी , जिससे वह अपने जीवन में संचार माध्यम का समुचित अनुप्रयोग कर सकेगा और अपने जीवन शैली को सरल बना सकेगा । साथ ही वह समाचार लेखन , विद्यापन लेखन, धारावाहिक लेखन, पोस्टर निर्माण, कार्टून आदि के द्वारा रोजगार के अवसर विकसित करेगा ।

इकाई - 1 : जनसंचार : अभिप्राय, स्वरूप एवं विस्तार ।
जनसंचार माध्यम, जनसंचार माध्यमों में लेखन, प्रभाव एवं क्षेत्र । (18 व्याख्यान)

इकाई -2 : जनसंचार माध्यमों का विकास, उपयोगिता एवं महत्व ।
जनसंचार माध्यमों का वर्गचरित्र और सम्प्रेषण ।
जनमाध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक भूमिका । (18 व्याख्यान)

इकाई -3 : समाचार लेखन, फीचर लेखन, समाचार शीर्षक, पेजमेकिंग ।
सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, फीडबैक ।
रेडियों एवं टी.वी. लेखन, विज्ञापन लेखन, फिल्म लेखन । (18 व्याख्यान)

इकाई -4 : जनसंचार के वैकल्पिक माध्यम: अभिप्राय, विकास और महत्व ।
पोस्टर निर्माण, कोलाज, कार्टून, होर्डिंग ।
संगीत, नुक्कड़ नाटक, गीति-नाटिका, प्रहसन आदि । (18 व्याख्यान)

इकाई -5 : जनसंचार के आधुनिक आयाम-
सोशल साइट्स आरकुट, ट्विटर, फेसबुक, ब्लाग का समसामयिक महत्व एवं उपयोग ।
हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में बेवसाहित्य की भूमिका ।
कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की उपयोगिता एवं महत्व । (18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ-

- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी- सुधीष पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र- रेमण्ड विलियम, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली ।

Level - L5 Entry

बी.ए. सेमेस्टर - I

Ability Enhancement Course (AEC)

<table>
<tr><td colspan="9">HIN-AEC-211 : विज्ञापन और हिन्दी भाषा</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Level & Semester</td><td rowspan="2">Course Code</td><td rowspan="2">Title of the Course</td><td colspan="4">Credits</td><td rowspan="2">Marks</td><td rowspan="2">Course Coordinator</td></tr>
<tr><td>L</td><td>T</td><td>P</td><td>C</td></tr>
<tr><td>L 5
Sem I</td><td>HIN-AEC-111</td><td>विज्ञापन और हिन्दी भाषा</td><td>2</td><td>0</td><td>0</td><td>2</td><td>IA (Mid)-40
EA (End Sem)- 60</td><td>डॉ. हिमांशु कुमार</td></tr>
<tr><td colspan="9">Total Lectures/Hrs : 30</td></tr>
</table>

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञापन के अर्थ , स्वरुप और महत्व से परिचित करवाते हुए उन्हें विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया से परिचित करवाना है।
- इस पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ब्रांड निर्माण में विज्ञापन की भूमिका और विज्ञापन के प्रभावों से परिचित होने के साथ-साथ उनमें आधुनिक विज्ञापन और हिंदी भाषा के अंत: सम्बंधों की समझ भी विकसित होगी।

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई में विद्यार्थी विज्ञापन के अर्थ , परिभाषा और उसके विभिन्न प्रकारो से परिचित हो सकेंगे।
CO2	:	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी विज्ञापन के सामाजिक और व्यवसायिक महत्व को समझते हुए, उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO3	:	इस इकाई में विद्यार्थी प्रायोजित कार्यक्रमों के रूप में विज्ञापनों के नये संदर्भों को समझने सकेंगे।
CO4	:	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी संचार के विविध माध्यमों जैसे अखबार , रेडियो, टेलिविजन, मोबाइलआदि के अनुसार तैयार किये जानें वाले विज्ञापनों के स्वरूप और प्रकार को समझ सकेंगे।
CO5	:	इस इकाई के तहत विद्यार्थी विज्ञापन लेखन की भाषा , शैली और संरचना से परिचित होंगे , और विज्ञापन की सफलता में विज्ञाओअन लेखन की महत्वपूर्ण भूमिका को भी जान सकेंगे।

Course Content :

विज्ञापन और हिन्दी भाषा

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञापन का महत्व , विज्ञापन से रोजगार और वर्तमान समय में विज्ञापन की उपयोगिता की समझ विकसित होगी । जबकि वर्तमान समय में विज्ञापन व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन में रोजगार ढूढ़ने का प्रयास कर सकेंगे ।

इकाई-1: विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप ।
विज्ञापन और हिन्दी भाषा का अंतर्संबंध । (06 व्याख्यान)

इकाई-2: विज्ञापन का महत्त्व : सामाजिक एवं व्यावसायिक महत्व ।
विज्ञापन और बाजारवाद एवं ब्रांड-निर्माण । (06 व्याख्यान)

इकाई-3: विज्ञापन : नए संदर्भ, प्रायोजित कायर्क्रम ।
विज्ञापन और लैंगिक संदर्भ । (06 व्याख्यान)

इकाई-4: विज्ञापन : रेडियो, टी.वी., समाचार पत्र और वाल राइटिंग ।
विज्ञापन और सोशल मीडिया । (06 व्याख्यान)

इकाई-5: विज्ञापन : आवश्यकता और प्रभाव
विज्ञापन और मनुष्य की दुनिया । (06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ, विजय प्रकाशन, दिल्ली।
- जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य- सुधीश पचौरी, जयपुर यूनिवर्सिटी पब्लिकेषन, जयपुर।
- डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन,
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली।

वेबलिंक-

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com

Level - L5 Entry

बी.ए. सेमेस्टर - I

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-111 : रचनात्मक लेखन								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem I	HIN-SEC-111	रचनात्मक लेखन	2	0	0	2	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. आशुतोष
Total Lectures/Hrs : 30								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की रचनात्मक विधाओं के परिचय के साथ हिन्दी साहित्य लेखन के रचनात्मक स्वरूप का आधुनिक सन्दर्भ में अध्ययन विश्लेषण किया जायगा । हिन्दी की वृहद काव्य परम्परा के संरचनात्मक संवेदनात्मक विवेचन के साथ हिन्दी कथा साहित्य , हिन्दी नाट्य साहित्य, हिन्दी निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज आदि की रचनात्मकता का अध्ययन किया जायगा।
- हिन्दी की रचनात्मकता के साथ आधुनिक संचार एवं सूचना-तंत्र के लिए प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया जिनमे सिनेमा टेलीविजन और विज्ञापन के लिए लिखना इस प्रश्न पत्र के केंद्र में है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में रचनात्मक साहित्य के साथ आधुनिक जनसंचार मीडिया के विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन का व्यवहारिक अनुभव होगा जिससे विद्यार्थी हिन्दी शिक्षण के साथ आधुनिक मीडिया में भी सक्षमता से रोजगार हासिल कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes:

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई में हिन्दी भाषा के रचनात्मक लेखन की प्रमुख विधाओं कविता , कहानी, उपन्यास, नाट्य साहित्य और रिपोर्ताज आदि का अध्ययन विश्लेषण कर सकेंगे।
CO2	:	इस इकाई में हिन्दी में विकसित हुई विभिन्न आधुनिक गद्य विधाओं की आधारभूत संरचना के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे । इनमें निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज के साथ बाल साहित्य का भी परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO3	:	इस इकाई में आधुनिक जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन जैसे फीचर लेखन , यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार और पुस्तक समीक्षा से परिचित हो सकेंगे।
CO4	:	इस इकाई में विद्यार्थियों को इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए लेखन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जायगा जिससे विद्यार्थी इन क्षेत्रों में रोजगार हासिल कर सकें। इसके तहत रेडियो टेलीविजन के साथ सिनेमा की पटकथा लेखन को समझ सकेंगे।
CO5	:	इस इकाई में हिन्दी की रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यमों में विज्ञापन एवं जिंगल्स लेखन का अध्ययन विश्लेषण किया जाएगा , जिससे विज्ञापन उद्योग के आधुनिक क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने लिए तैयार हो सकेंगे।

Course Content :

रचनात्मक लेखन

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर कविता की संवेदना , स्चरूप, भाषा, छंद, लय, गति आदि की समझ का विकास होगा और सूचना तंत्र , इलेक्ट्रानिक माध्यम , बालसाहित्य आदि विविध अवधारणाओं को भी समझ रख सकेंगे । इसके साथ-साथ उनके पटकथा लेखन एवं फीचर फिल्म , पुस्तक समीक्षा आदि कौषलों में रूचि उत्पन्न होगी।

इकाई- 1: विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

(क) कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा, छंद, लय, गति और तुक

(ख) कथा साहित्य: वस्तु, पात्र परिवेश एवं विमर्श

(ग) नाट्य साहित्य: वस्तु, पात्र परिवेश एवं रंगकर्म (06 व्याख्यान)

इकाई- 2: विविध गद्य-विधाओं की आधारभूत संरचना

(क) निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोतार्ज

(ख) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना (06 व्याख्यान)

इकाई- 3: सूचना-तंत्र के लिए लेखन

(क) प्रिंट माध्यम: फीचर-लेखन, यात्रा- वृतांत

(ख) साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा। (06 व्याख्यान)

इकाई-4: इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

(क) रेडियो एवं टेलीविजन लेखन

(ख) पटकथा लेखन (06 व्याख्यान)

इकाई-5: रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यम:

विज्ञापन लेखन, जिंगल्स आदि। (06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- पटकथा लेखन: एक परिचय- मनोहर श्यामजोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मीडिया और बाजारवाद- रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद।
- विज्ञापन और ब्रांड- संजय सिंह बघेल, सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली।
- रेडियो लेखन- मधुकर गंगाधर, साहित्य अकादमी, पटना, बिहार।

सहायक ग्रंथ-

- उपन्यास की संरचना- गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सर्जक का मन- नंदकिशोर आचार्य, ग्रंथ अकादमी, दिल्ली।

बी.ए. सेमेस्टर - II

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

Level - L5

बी.ए. सेमेस्टर - II

Discipline Specific Major

HIN-DSM-211 : हिन्दी कविता : मध्यकाल और आधुनिक काल								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem II	HIN-DSM-211	हिन्दी कविता : मध्यकाल और आधुनिक काल	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	प्रो. चंदा बैन
Total Lectures/Hrs : 90								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर हिंदी कविता में भक्तिकाल , रीतिकाल और आधुनिक काल के कवि और कविता के सन्द्रभ में विभिन्न दृष्टियों के माध्यम से एक व्यवस्थित और तार्किक समझ विकसित करना है।
- मध्यकाल और आधुनिक काल के साहित्य की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों के अध्ययन से एक साहित्यिक बोध का निर्माण करना है।

Course Learning Outcomes:

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई के माध्यnम से विद्यार्थियों में भक्तिकालीन कवियों के काव्यिमें निहित सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और धार्मिक प्रसंगों के प्रति एक विस्तृत समझ बनेगी और वे कबीरदास, सूरदास , तुलसीदास, जायसी इत्यादि कवियों की वर्तमान में प्रासंगिकता को भी समझ पायेंगे।
CO2	:	इस इकाई के द्वारा रीतिकालीन सामाजिक , आर्थिक समस्या ओं के साथसाथ दरवारी- समस्या ओं की समझ पैदा हो गी। रीतिकालीन साहित्यर के अध्ययन से इस समय की स्त्रियों की दशा को भी जान पायेंगे। साथ-ही बिहारी और घनानंद के साहित्य के अवलोकन कर सकेंगे।
CO3	:	इस इकाई में प्रसाद , निराला और दिनकर के साहित्या का अध्यहयन करके आधुनिक काल को समझ पायेंगे।
CO4	:	इस इकाई में अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, मुक्तिबोध, भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं से सामाजिक स्थिति और परिस्थिति को समझेंगे तथा समाज में व्यानप्तु अनेक कुरीतियों से भी परिचित होंगे।
CO5	:	हिन्दी के कुछ अन्ये कवियों केदारनाथ सिंह, ओमप्रकाश वाल्मीकि, उदय प्रकाश और सुशीला टाक भौरे की कविताओं के मध्यनम से समाज में व्याप्ति छुआछूत, ऊंचनीच-, भेदभाव, जातिव्यवस्था और- वर्णव्य वस्थाय से परिचित होंगे तथा इन कवियों के जीवन संघर्ष से प्रेरित होकर अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष करेंगे और जीवन कैसे जिया जाय यह भी जान पायेंगे तथा सामाजिक जीवन और हित्यिक सम्बंन्धग स्थापित कर पायेंगे।

Course Content :

हिन्दी कविता : मध्यकाल और आधुनिक काल

उद्देश्य : इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों के कवियों की कविता , जो तत्कालीन समाज का दस्तावेज है, से परिचित कराना है। साथ-ही वर्तमान समय में उनकी कविता की प्रासंगिकता की समझ विकसित करना है।

इकाई-**1:** कबीर- गुरूदेव को अंग- 3, 4, 11, 21, 34, सुमरिन को अंग- 5, 8, 9, 28,
विरह को अंग- 2, 6, 11, 12,15 (श्यामसुंदर दास ग्रंथावली)
सूरदास : सूरसागर-सार, संपा.- डॉ. धीरेंद्र वर्मा
भक्ति और विनय के पद- 2, 23, 25, 39, 44
उद्वव संदेश- 65, 69, 70, 132, 135
गोस्वामी तुलसीदास- विनयपत्रिका : 1, 41, 87, 88, 105 (18 व्याख्यान)

इकाई-**2:** बिहारी : जगन्नाथ दास रत्नाकर- बिहारी रत्नाकर
छंद संख्या- 25, 38, 39, 41, 51, 62, 69, 70, 101, 121
घनानंद- घनानंद कवित्त- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या- 1, 3, 7, 11, 14, 15, 32 (18 व्याख्यान)

इकाई-**3:** जयशंकर प्रसाद- बीती विभावरी जाग री! (लहर)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- वर दे वीणा वादिनी।
रामधारी सिंह 'दिनकर'**-** आग की भीख। (18 व्याख्यान)

इकाई-**4:** अज्ञेय - कलगी बाजरे की
केदारनाथ अग्रवाल - बसंती हवा
मुक्तिबोध - भूल गलती
भवानी प्रसाद मिश्र - श्रम की महिमा (18 व्याख्यान)

इकाई-**5:** केदारनाथ सिंह - हक दो
ओमप्रकाश वाल्मीकि - युग चेतना
उदय प्रकाश - ताना बाना
सुशीला टाकभौरे - नहीं हारेगी कभी (18 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली- श्यामसून्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सूरसागर सार- संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
- विनयपत्रिका- तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- श्रीरामचरितमानस- गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- घनानंद कवित्व-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा।
- भारत भारती- साहित्य सदन, झांसी, उ.प्र.।

- लहर- जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- राग-विराग- डॉ. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- प्रतिनिधि कविताएँ- अरूण कमल, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- कबीर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- त्रिवेणी- रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- गोस्वामी तुलसीदास- रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आनंदघन- रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सांमती काव्य का परिदृष्य और बिहारी, रामदेव शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

Level - L5

बी.ए. सेमेस्टर - II

Multi-Disciplinary Specifc Major

HIN-MDM-211 : पत्रकारिता लेखन: सिद्वांत और व्यवहार								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem II	HIN-MDM-211	पत्रकारिता लेखन: सिद्वांत और व्यवहार	6	0	0	6	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. राजेंद्र यादव
Total Lectures/Hrs : 90								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पत्रकारिता लेखन का अर्थ , स्वरुप और महत्त्व विश्लेषित किया जायेगा। पत्रकारिता लेखन की बारीकियों- जैसे सम्पादकीय, रिपोर्टिंग, कॉलम लेखन और संस्कृति लेखन के पहलुओं का अध्ययन प्रमुख होगा। समाचार पत्र पत्रिका की डमी, लेआउट,एवं शीर्षक लेखन का अध्ययन किया जायेगा।
- आधुनिक पत्रकारिता में साहित्यिक लेखन , प्रचार सामग्री लेखन , फिल्म समीक्षा के साथ महिला एवं बाल साहित्य का व्यवहारिक लेखन किया जायगा। पत्रकारिता के आधुनिक स्वरुप के अंतर्गात विद्यार्थियों को साहित्यिक, राजनैतिक , आंचलिक, आर्थिक पत्रिकारिता व खेल पत्रकारिता का अध्ययन कराया जायेगा।

Course Learning Outcomes:

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के अर्थ स्वरुप एवं महत्त्व के साथ पत्रकारिता के उद्देश्य से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
CO2	:	इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के व्यवहार और क्षेत्र के अंतर्गत एक समाचार पत्र के निर्माण की प्रक्रिया के तहत सम्पादकीय, रिपोर्टिंग, कॉलम लेखन, डमी, लेआउट, शीर्षक लेखन आदि का व्यावहारिक अध्ययन कर सकेंगे।
CO3	:	पत्रकारिता लेखन के रचनात्मक पहलु के अंतर्गत इस इकाई में पत्रकारिता लेखन की भाषा और उसके वैचारिक पक्ष को स्पष्ट करते हुए विभिन्न प्रकार के समसामयिक लेखन जैसे प्रचार सामग्री लेखन महिला लेखन फिल्म समीक्षा बाल साहित्य आदि के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे।
CO4	:	पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया के तहत इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के आधार अनुकूल परिस्तिथियाँ, विषय का ज्ञान, विषय वस्तु का चयन और प्रूफ रीडिंग का व्यवहारिक अध्ययन को समझ सकेंगे ।
CO5	:	इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के विभिन्न रूपों जैसे साहित्यिक पत्रकारिता , राजनैतिक पत्रकारिता, आंचिलिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता के साथ आर्थिक मुद्दों से जुडी पत्रकारिता का अध्ययन विश्लेषण समझ सकेंगे।

Course Content :

पत्रकारिता लेखन: सिद्वांत और व्यवहार

उद्देश्य : पत्रकारिता लेखन हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण आयाम रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर पत्रलेखन कला, कौषल-क्षमता का विकास होगा और उनके जीवन में पत्रकारिता सम्बन्धित रोजगार सरलता से मिलने की संभावना बनेगी। इसके अलावा विद्यार्थी को फिल्म समीक्षा , प्रूफ रीडिंग, श्लोगन लेखन, पम्पलेट लेखन आदि विविध रोजगार भी उपलब्ध होंगे।

इकाई -1: पत्रकारिता लेखन : सामान्य परिचय ।
पत्रकारिता लेखन: अर्थ, स्वरूप एवं महत्व, पत्रकारिता लेखन के प्रमुख तत्व, पत्रकारिता लेखन के उद्देश्य। (18 व्याख्यान)

इकाई -2: पत्रकारिता लेखन : व्यवहार और क्षेत्र फीचर , संपादकीय, रिर्पोटिंग, कालम लेखन, डमी, लेआउट एवं शीर्षक लेखन। (18 व्याख्यान)

इकाई -3: पत्रकारिता लेखन का रचनात्मक पहलू : पत्रकारिता लेखन की भाषा, वैचारिक दृष्टि, विषयवस्तु, साहित्यिक लेखन, प्रचार सामग्री लेखन, फिल्म समीक्षा, महिला-लेखन, बाल-साहित्य एवं खेल संबंधी लेखन। (18 व्याख्यान)

इकाई -4: पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया: पत्रकारिता लेखन के आधार-अनुकूल परिस्थितियां, विषय का ज्ञान, अभ्यास, रचना प्रक्रिया-विषय वस्तु का चयन, लेखन कार्य का पठन एवं आवष्यक सुधार, प्रूफ रीडिंग। (18 व्याख्यान)

इकाई -5: पत्रकारिता लेखन के रूप : साहित्यिक पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, आंचलिक पत्रकारिता, खेलपत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता। (18 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी पत्रकारिता का व्योम- श्रीनिवास सिंह।
- मीडिया विमर्ष-रामषरण जोषी।
- ग्लोबल और मीडिया हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. हरीष अरोड़ा।
- हिन्दी पत्रकारिता की शब्द-सम्पदा- डॉ. बदरीनाथ कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- संचार भाषा हिंदी- सूर्यप्रसाद दीक्षित।
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी- पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी।
- हिन्दी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विष्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Level - L5

बी.ए. सेमेस्टर - II

Ability Enhancement Course (AEC)

HIN-AEC-211 : विज्ञापन और हिन्दी भाषा								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem II	HIN-AEC-211	विज्ञापन और हिन्दी भाषा	2	0	0	2	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. हिमांशु कुमार
Total Lectures/Hrs : 30								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञापन के अर्थ , स्वरुप और महत्व से परिचित करवाते हुए उन्हें विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया से परिचित करवाना है।
- इस पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ब्रांड निर्माण में विज्ञापन की भूमिका और विज्ञापन के प्रभावों से परिचित होने के साथ-साथ उनमें आधुनिक विज्ञापन और हिंदी भाषा के अंत: सम्बंधों की समझ भी विकसित होगी।

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई में विद्यार्थी विज्ञापन के अर्थ , परिभाषा और उसके विभिन्न प्रकारो से परिचित हो सकेंगे।
CO2	:	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी विज्ञापन के सामाजिक और व्यवसायिक महत्व को समझते हुए, उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO3	:	इस इकाई में विद्यार्थी प्रायोजित कार्यक्रमों के रूप में विज्ञापनों के नये संदर्भों को समझने सकेंगे।
CO4	:	इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी संचार के विविध माध्यमों जैसे अखबार , रेडियो, टेलिविजन, मोबाइलआदि के अनुसार तैयार किये जानें वाले विज्ञापनों के स्वरूप और प्रकार को समझ सकेंगे।
CO5	:	इस इकाई के तहत विद्यार्थी विज्ञापन लेखन की भाषा , शैली और संरचना से परिचित होंगे , और विज्ञापन की सफलता में विज्ञाओअन लेखन की महत्वपूर्ण भूमिका को भी जान सकेंगे।

Course Content :

विज्ञापन और हिन्दी भाषा

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञापन का महत्व , विज्ञापन से रोजगार और वर्तमान समय में विज्ञापन की उपयोगिता की समझ विकसित होगी । जबकि वर्तमान समय में विज्ञापन व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन में रोजगार ढूढ़ने का प्रयास कर सकेंगे ।

इकाई-1: विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप ।
विज्ञापन और हिन्दी भाषा का अंतर्संबंध । (06 व्याख्यान)

इकाई-2: विज्ञापन का महत्त्व : सामाजिक एवं व्यावसायिक महत्व ।
विज्ञापन और बाजारवाद एवं ब्रांड-निर्माण । (06 व्याख्यान)

इकाई-3: विज्ञापन : नए संदर्भ, प्रायोजित कायर्क्रम ।
विज्ञापन और लैंगिक संदर्भ । (06 व्याख्यान)

इकाई-4: विज्ञापन : रेडियो, टी.वी., समाचार पत्र और वाल राइटिंग ।
विज्ञापन और सोशल मीडिया । (06 व्याख्यान)

इकाई-5: विज्ञापन : आवश्यकता और प्रभाव
विज्ञापन और मनुष्य की दुनिया । (06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ, विजय प्रकाशन, दिल्ली।
- जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य- सुधीश पचौरी, जयपुर यूनिवर्सिटी पब्लिकेषन, जयपुर।
- डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन,
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली।

वेबलिंक-

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com

Level - L5

बी.ए. सेमेस्टर - II

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-111 : रचनात्मक लेखन								
Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L 5 Sem II	HIN-SEC-211	रचनात्मक लेखन	2	0	0	2	IA (Mid)-40 EA (End Sem)- 60	डॉ. आशुतोष
Total Lectures/Hrs : 30								

Course Objectives:

- इस पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की रचनात्मक विधाओं के परिचय के साथ हिन्दी साहित्य लेखन के रचनात्मक स्वरूप का आधुनिक सन्दर्भ में अध्ययन विश्लेषण किया जायगा । हिन्दी की वृहद काव्य परम्परा के संरचनात्मक संवेदनात्मक विवेचन के साथ हिन्दी कथा साहित्य , हिन्दी नाट्य साहित्य , हिन्दी निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज आदि की रचनात्मकता का अध्ययन किया जायगा ।
- हिन्दी की रचनात्मकता के साथ आधुनिक संचार एवं सूचना-तंत्र के लिए प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया जिनमे सिनेमा टेलीविजन और विज्ञापन के लिए लिखना इस प्रश्न पत्र के केंद्र में है । इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में रचनात्मक साहित्य के साथ आधुनिक जनसंचार मीडिया के विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन का व्यवहारिक अनुभव होगा जिससे विद्यार्थी हिन्दी शिक्षण के साथ आधुनिक मीडिया में भी सक्षमता से रोजगार हासिल कर सकेंगे ।

Course Learning Outcomes:

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे :

Unit	:	Unit wise Learning Outcomes
CO1	:	इस इकाई में हिन्दी भाषा के रचनात्मक लेखन की प्रमुख विधाओं कविता , कहानी, उपन्यास, नाट्य साहित्य और रिपोर्ताज आदि का अध्ययन विश्लेषण कर सकेंगे ।
CO2	:	इस इकाई में हिन्दी में विकसित हुई विभिन्न आधुनिक गद्य विधाओं की आधारभूत संरचना के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे । इनमें निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज के साथ बाल साहित्य का भी परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।
CO3	:	इस इकाई में आधुनिक जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन जैसे फीचर लेखन , यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार और पुस्तक समीक्षा से परिचित हो सकेंगे ।
CO4	:	इस इकाई में विद्यार्थियों को इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए लेखन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जायगा जिससे विद्यार्थी इन क्षेत्रों में रोजगार हासिल कर सकें । इसके तहत रेडियो टेलीविजन के साथ सिनेमा की पटकथा लेखन को समझ सकेंगे ।
CO5	:	इस इकाई में हिन्दी की रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यमों में विज्ञापन एवं जिंगल्स लेखन का अध्ययन विश्लेषण किया जाएगा , जिससे विज्ञापन उद्योग के आधुनिक क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने लिए तैयार हो सकेंगे ।

Course Content :

रचनात्मक लेखन

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लेखन के माध्यम से उनके अन्दंर कविता की संवेदना , स्चरूप, भाषा, छंद, लय, गति आदि की समझ का विकास होगा और सूचना तंत्र , इलेक्ट्रानिक माध्यम , बालसाहित्य आदि विविध अवधारणाओं को भी समझ रख सकेंगे । इसके साथ-साथ उनके पटकथा लेखन एवं फीचर फिल्म , पुस्तक समीक्षा आदि कौषलों में रूचि उत्पन्न होगी।

इकाई- 1: विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

(क) कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा, छंद, लय, गति और तुक

(ख) कथा साहित्य: वस्तु, पात्र परिवेश एवं विमर्श

(ग) नाट्य साहित्य: वस्तु, पात्र परिवेश एवं रंगकर्म (06 व्याख्यान)

इकाई- 2: विविध गद्य-विधाओं की आधारभूत संरचना

(क) निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोतार्ज

(ख) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना (06 व्याख्यान)

इकाई- 3: सूचना-तंत्र के लिए लेखन

(क) प्रिंट माध्यम: फीचर-लेखन, यात्रा- वृतांत

(ख) साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा। (06 व्याख्यान)

इकाई-4: इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

(क) रेडियो एवं टेलीविजन लेखन

(ख) पटकथा लेखन (06 व्याख्यान)

इकाई-5: रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यम:

विज्ञापन लेखन, जिंगल्स आदि। (06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- पटकथा लेखन: एक परिचय- मनोहर श्यामजोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मीडिया और बाजारवाद- रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद।
- विज्ञापन और ब्रांड- संजय सिंह बघेल, सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली।
- रेडियो लेखन- मधुकर गंगाधर, साहित्य अकादमी, पटना, बिहार।

सहायक ग्रंथ-

- उपन्यास की संरचना- गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सर्जक का मन- नंदकिशोर आचार्य, ग्रंथ अकादमी, दिल्ली।